

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 349] No. 349] नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 18, 1999/ज्येष्ठ 28, 1921 NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 18, 1999/JYAISTHA 28, 1921

विदेश मंत्रालय

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 16 जून,1999

का. आ. 462(अ).— भारत के राजवल, असाधारमा, भाग 2, खंड 3, उपखंड है। । , तारीस 19 सितम्बर, 1996 में पृष्ट । से 5 पर इकाशित भारत करकार के बिदेश मंत्रालय की अधिमूचना संक काक आ 643 कि तारीस 19 सितम्बर,

है। रितम 2 में, क्रम सं 61क के सामने " आर- 12 " के स्थान वर आर- 12 एसक्बीक्टम | " वटें:

\$ [दिलाभ 3 में, कुन संब 66 के सामने " 19⁰40 23 " " के रथान वर " 18 40 23 " " वढें ;

है। । इस मार्थ 67 के सामने " 72⁰50 98 " " के स्थान पर " 71⁰50 7 98 " " पढें ।

[सं. एफ. एस. 111/2/94] टी. एल. गिल, निदेशक (विधि एवं संधि प्रभाग)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS CORRIGENDUM

New Delhi, the 16th June, 1999

S.O. 462(E)— In the notification of the Government of India in the Ministry of External Affairs number S.O. 643 (E), dated the 19th September, 1996 published at pages 1 to 5 of the Gazette of India; Extraordinary, Part II-Secttion 3 Sub-Section(ii), dated the 19th September, 1996, at page 5, in Schedule,—

- (i) against serial number 61A, in clumn 2, <u>for</u> "R-13" <u>read</u> "R-12-SBM";
- (ii) against serial number 67, in column 2, <u>for</u> "MUKTA-1(B-57) <u>read</u> "MUKTA-A(B-57)".

[No. F. L-111/2/94] T. L. GILL, Director (Legal and Treaties)

अधिसूचना गई दिल्ली, 16 जून,1999

का. आ. 463(अ).— .. केन्द्रीय सरकार, राज्य क्षेत्रीय सागर-खण्ड, महाद्रीपीय मग्नतट भूमि, अनन्य आर्शेक क्षेत्र और अन्य सामृद्रिक क्षेत्र अधिनियम, 1976 (1978 का 80) की धारा 8 की उप-धारा (5) के खण्ड (ख) के उप-खण्ड (iii) और धारा 7 की उप-धारा (8) के खंड (ख) के उप-खंड (iii) के अनुसरण में, भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की तारीख 19 सितम्बर, 1996 की अधिसूचना का.आ. 643 (अ) के अधीन घोषित अभिहित क्षेत्रों के भीतर, भारतीय नौसैनिक पोतों और तटरक्षक पोतों या ऐसे अन्य पोतों को छोड़कर, जिन्हें इस संबंध में पेट्रोलियम और पाकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव अधवा उनके टाण इस संबंध में अधिसूचित किसी सक्षम पाधिकारी टाए लिखित रूप, में प्राधिकृत किया गया है, किसी भी पोत के प्रवेश का प्रतिष्ठेध करती है।

- 2. पैंग 1 में अन्तर्निहित प्रतिषेध किसी ऐसे पोत पर लागू नहीं होगा जो -
- (क) उक्त अभिहित क्षेत्रों में अथवा उनके सम्निकट क्षेत्रों में किसी उप-समुदी केबल

धा पाइप लाइन के मरम्मत कार्य में लगा हो अधवा जो इस मरम्मत कार्य में लगने वाला हो ;

- (घ) निम्न कार्य में लगा हो-
 - (i) सर्विसिंग में.
 - (ii) किसी सरकारी विभाग के प्राधिकार के अन्तर्गत निरीक्षण में, अधवा
 - (iii) उक्त अभिहित क्षेत्रों में किसी संस्थापन को या उससे व्यक्तियों या मालों के परिवहन में:
- (ग) परिवहन मंत्रालय के प्राधिकार के अन्तर्गत नीवहन सुरक्षा से संबंधित कर्त्तव्यों में लगा हो :
- (घ) समुद्र में जीवन या सम्पति को बचाने अधवा बचाने के प्रशस्त की दृष्टि से गतिविधियों के संचालन में लगा हो ।

[सं. एफ. एल. 111/2/94] टी. एल. गिल, निदेशक (विधि एवं संधि प्रभाग)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th June, 1999

S.O. 463(E) — In pursuance of sub-clause (ii) clause (b) of sub-section (5) of section 6 and sub-clause (iii) of clause (b) of sub-section (6) of section 7 the Territorial Waters, Continental Shelf, Exclusive Economic Zone and Other Maritime Zones Act, 1976 (80 1976), the Central Government hereby prohibits the entry of any ship within the designated areas as declared under the notification of the Government of India Ministry of External Affairs number S.O. 643(E) the 19th September, 1996 except Indian Naval ships Coast Guard ships or other ships which are authorised in writing by the Secretary to the Government of India of Petroleum and Natural Gas any the Ministry competent authority notified by him in this regard.

- The prohibition contained in paragraph 1 shall not apply to a ship -
- (a) engaged or about to be engaged in the repair of any submarine cable or pipeline in or adjacent to the said designated areas;
 - (b) engaged in -
 - (i) services for,

- (ii) inspection under the authority of a Government Department or,
- (1i1) the transportation of persons or goods to or from,

an installation in the said designated areas;

- (c) engaged in duties relating to the safety of navigation under the authority of the Ministry of Transport;
- (d) carrying out movements with a view to saving or attempting to save life or property at sea.

[No. F. L-111/2/94] T. L. GILL, Director (Legal and Treaties)

अधिसूचना नई दिल्ली, 16 जून,1999

का. आ. 464(अ).— केन्द्रीय सरकार रास्य क्षेत्रीय तागर वेहं
महाद्रीपीय अग्नतट भूमि, अनम्य आर्थिक क्षेत्र और अम्य सामुद्रिक
क्षेत्र अथिनियम, 1976 हैं 1976 का 86 की धारा 6 की उपधारा
हैं हैं के खन्ड हैं की और धारा 7 की उपधारा हैं 7ई के खन्ड हैं की
दारा प्रवस्त शक्तियों, का प्रयोग करते हुए, तेल क्षेत्र विनियम और
विकास अथिनियम 1948 हैं 1948 का 53 तथा उतके अथीन बनार
गए पेट्रो लिएम और प्राकृतिक गैस नियम 1959 का विस्तार यथा रिथित
सारत के महाद्रीपीय मननसट भूमि वा अनम्य आर्थिक क्षेत्री तक करती
हैं।

[सं. एल. 111/13/97] टी. एल. गिल, निदेशक (विधि एवं संधि प्रभाग)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th June, 1999

S.O. 464(E).— In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (6) of section 6 and clause (a) of sub-section (7) of section 7 of the Territorial Waters, Continental Shelf, Exclusive Economic Zone and Other Maritime Zones Act, 1976 (80 of 1976), the Central Government hereby extends the Oil Fields Regulation and Development Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959 framed thereunder to the continental shelf or, as the case may be, to the Exclusive Economic Zone of India.

[No. L-111/13/97] T. L. GILL, Director (Legal and Treaties)